



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 123]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 5, 1981/ज्येष्ठ 15, 1903

No. 123]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 5, 1981/JYAISTHA 15, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं० 30-आई डी सी (पी एन)/81

नई दिल्ली, 5 जून, 1981

### आयात व्यापार नियंत्रण

विषय :— 100% निर्यात अभिमुख एककों के लिए भारत में किए गए  
सम्भरणों के सहे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्रदान करना।

मिस्त्रिल संख्या-1/2 (16-ए)आर० ई० पी०/74-ई० पी० सी०.—वाणिज्य  
मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 13-आई० टी० सी० (पी० एन०)/81,  
दिनांक 3 अप्रैल, 1981 के अधीन प्रकाशित यथा संशोधित 1981-82  
के लिए आयात नीति की ओर ध्यान विस्तारित जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि उक्त आयात नीति में 100%  
निर्यात अभिमुख एककों के सम्बद्ध वर्तमान कड़िका 172 के बाव इस  
सार्वजनिक सूचना के लिए अनुबन्ध के रूप में नई कड़िका 172-क को  
जोड़ा जाए।

कुमारी रोमा मजुमदार, मुख्य नियंत्रक,  
आयात-निर्यात

सार्वजनिक सूचना सं० 30-आईडीसी(पीएन)/81. दिनांक 5 जून, 1981  
के लिए अनुबन्ध

100% निर्यात-अभिमुख एककों के लिए भारत में किए गए सम्भरण

172(क) (1) भारत में 100% निर्यात अभिमुख एककों के  
लिए पूंजीगत माल, कच्चे माल, संबद्ध और फलसू पुर्तों के सम्भरण  
पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति के अनुसार आयात पूर्ति के लिए  
पात्र होंगे बशर्ते कि :—

- (क) सम्भरण किया गया माल भारत में सैधार निधा रखा हो ;
- (ख) सम्भरण अन्तर्राष्ट्रीय कीमत पर किए गए हों ;
- (ग) सम्भरण एक पंजीकृत निर्यातक ही और अत्यथा रूप से लागू  
नीति के अधीन आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए पात्र हो।

(2) ऐसे मामलों में सम्भरण का बीजक सीमाशुल्क प्राधिकारी  
द्वारा इस सम्बन्ध में पुष्टीकृत होना चाहिए कि बीजक के अन्तर्गत आने  
वाले माल 100% निर्यात अभिमुख एककों द्वारा प्राप्त हो गए हैं और  
उस एकक का नाम और पता भी दिया जाना चाहिए।

(3) जहाँ सम्बद्ध केता एकक के पास उसी माल के आयात के लिए  
आयात लाइसेंस हो तो वहाँ सीमाशुल्क प्राधिकारी बीजक पर पुष्टीकृत

करते समय लाइसेंस को भी धरा देगा और उसे स्थानीय प्राप्त सीमा तक माल के सीधे आयात के लिए प्रवेश कर देगा।

(4) इस व्यवस्था के अधीन स्थानीय प्राप्त माल बाहे के आयात लाइसेंस के मद्दे या प्रत्यया रूप से प्राप्त किए गए हों वे उपर्युक्त उप-कंडिका 172(7) में यथा निर्धारित प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के समय एकक द्वारा लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किए जाने वाले लेख में शामिल किए जाएंगे।

(5) स्थानीय प्राप्त माल का उपयोग 100% निर्यात अभिमुख एककों के लिए निर्धारित व्यवस्थाओं के अनुसार किया जाएगा।

(6) माल के सम्भरण पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अंतर्गत ऐसे सम्भरण के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस मांग सकते हैं। आयात के लिए आवेदन-पत्र निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए। आवेदन-पत्र के समर्थन में निम्नलिखित वस्तुवैज होने चाहिए:—

- (1) आवेदन-पत्र शुल्क की प्रवेक्षित धनराशि का चालान।
- (2) सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा विधिवत पृष्ठांकित इस सम्बंध में सम्भरण का बीजक कि बीजक में शामिल माल सम्बद्ध कता युनिट द्वारा प्राप्त कर लिया गया हो।
- (3) यह प्रदर्शित करने वाला साक्ष्य कि सम्भरण अन्तराष्ट्रीय कीमत पर किया गया है। ऐसा साक्ष्य उसी तिमाही के दौरान आवेदन द्वारा समान विवरण के निर्यातित माल के जहाज पर्यन्त निःशुल्क ईकाई मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक बैंक प्रमाण पत्र के रूप में हो सकता है। लाइसेंस प्राधिकारी अपने संतोष के लिए कोई अन्य साक्ष्य भी स्वीकार कर सकता है।
- (4) आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक 1981-82 में निर्धारित किए गए प्रपत्र में निर्यातों का विवरण।
- (5) जिस प्रारं. ई० पी० लाइसेंस पर मूल्य अनुमेय होगा वह "गत-व्य स्थान के लिए" होगा।

ऐसे सम्भरण पर आधारित आवेदन-पत्र अलग-अलग प्रस्तुत किए जाने चाहिए और वास्तविक निर्यातों पर आधारित मांगों में शामिल नहीं किए जाने चाहिए।

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### PUBLIC NOTICE No. 30-ITC(PN)/81

New Delhi, the 5th June, 1981

#### IMPORT TRADE CONTROL

Subject : Grant of Import replenishment licences against supplies made in India to 100 per cent export-oriented units.

F. No. 1/2/(XVI-A)/REP/74-EPC.—Attention is invited to Import Policy for 1981-82 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 13-ITC(PN)/81, dated the 3rd April, 1981 as amended.

2. It has been decided to incorporate a new paragraph No. 172-A after the existing paragraph No. 172 pertaining to 100 per cent export-oriented units in the said import policy, as in the annexure to this Public Notice.

MISS ROMA MAZUMDAR, Chief Controller of Imports & Exports

#### Annexure to Public Notice No. 30-ITC(PN)/81, dated

the 5th June, 1981

Supplies made in India to 100 per cent export-oriented units.

172-A(1) Supplies of capital goods, raw materials, components and spares to 100 per cent export-oriented units in India will be eligible for import replenishment licences in accordance with the import policy for Registered Exporters provided :—

- (a) the goods supplied have been manufactured in India;
- (b) the supplies have been made at international price; and
- (c) the supplier is a Registered Exporter and is otherwise eligible to the import replenishment licence under the policy in force.

(2) The supplier's relevant invoice in such cases should be got endorsed by the customs authority to the effect that the goods covered by the invoice have been received by the 100 per cent export-oriented unit concerned, giving the name and address of that unit.

(3) Where the buyer unit concerned has an import licence for import of the same goods, the customs authority endorsing the invoice will also debit the import licence making it invalid for direct imports of goods to the extent procured locally.

(4) The goods obtained locally under this provision, whether against an import licence or otherwise, shall be included in the account to be furnished by the unit to the licensing authority at the end of each financial year, as laid down in sub-para 172(7) above.

(5) The goods thus obtained locally shall be used for export production in accordance with the provisions laid down for 100 per cent export-oriented units.

(6) The supplier of the goods can claim import replenishment licences under the import policy for Registered Exporters against such supplies. Import applications should be made to the licensing authorities concerned in the prescribed form and manner. The application should be supported by the following documents :—

- (i) Challan for the requisite amount towards application fee.
- (ii) Supplier's invoice duly endorsed by the customs authority to the effect that the goods covered by the invoice have been received by the buyer unit concerned.
- (iii) Evidence to show that the supplies have been made at international price. Such evidence may be in the form of a bank certificate showing the unit for value of goods of similar description exported by the applicant during the same quarter. The licensing authority may also accept any other evidence to its satisfaction.
- (iv) A statement of exports in the form prescribed in the Hand Book for Import-Export Procedures for 1981-82.
- (v) The value on which REP licence will be admissible will be "FOR destination".

Applications based on such supplies should be made separately and not included in the claim based on physical exports.